वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 354 रविवार 23 अप्रैल 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आईपीएल मैच को लेकर फिर शुरू हुआ विवाद

क्रिकेट से वास्ता नहीं फिर भी बने कार्ड, RCA पदाधिकारियों ने लेटर लिख जताई नाराजगी

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में आईपीएल के आयोजन को लेकर विवाद लगातार बढ़ते जा रहा है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में अवैध निर्माण के बाद अब मैच के दौरान एक एक्रीडेटेशन को लेकर विवाद शुरू हो गया है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के जिला संघों ने अब एक रिलेशन में भेदभाव का आरोप लगाते हुए नाराजगी जाहिर की है।इसके साथ ही आरसीए उपाध्यक्ष शक्ति सिंह को पत्र भी लिखा है। ऐसे में जिला संघों की नाराजगी को दूर करने के लिए राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी समाधान ढूंढने की कोशिश में जुटे हैं।राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष शक्ति सिंह ने बताया- इस बार बीसीसीआई ने स्टेट एसोसिएशन के एक्रीडेटेशन को काफी कम कर दिया है।इसकी वजह से हमने काफी जिला संघों के पदाधिकारियों के कार्ड नहीं बनाए हैं। कुछ जगह हमने अध्यक्ष का नाम काट दिया।कुछ जगह कोषाध्यक्ष का नाम काट दिया है।

क्रिकेट से वास्ता नहीं, एक्रीडेटेशन बनें

इसके बाद भी कुछ ऐसे लोगों के एक्रीडेटेशन बन गए है, इनका क्रिकेट से कोई वास्ता नहीं है। इसकी शिकायत मुझे भी जिला संघों के पदाधिकारियों ने दी है। इसके बाद मैंने भी फेसबुक और सोशल मीडिया पर काफी लोगों की एक्रीडेटेशन कार्ड पहने तस्वीर भी देखी है। जबकि उनके कार्ड बनना अच्छी बात नहीं है। क्यों कि वह जिला संघों के पदाधिकारी नहीं है। शक्ति सिंह ने बताया- यह परंपरा राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के लिए अच्छी बात नहीं है। क्योंकी एक्रीडेटेशन जिला संघों के पदाधिकारियों के बनने चाहिए थे। मैं इस पूरे विवाद को लेकर मैं राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत से भी बात करूंगा। ताकि यह लापरवाही किसने की और इसका समाधान कैसे निकला जा सकता है। यह पता लगाया जा सके।

19 अप्रैल को मैच से पहले हुआ था विवाद

इससे पहले 19 अप्रैल को पहला मैच शुरू होने से पहले खेल मंत्री अशोक चांदना ने सवाई मानसिंह स्टेडियम को सील कर दिया था। इसके बाद राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन ने माफी मांग अगले मैच से पहले स्टेडियम में किये गए निर्माण की परमिशन लेने की बात कही थी। वहीं अब राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने ही एक्रीडिटेशन को लेकर गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। ऐसे में अब देखना होगा इन विवादों से जयपुर में होने वाले अगले चार मैच पर कितना असर होता है। दरअसल, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में जिला संघ को इस बार तवज्जो नहीं मिल रही है। ऐसे में आईपीएल मैच के दौरान जिला संघों के पदाधिकारियों तक के न तो एक्रीडेटेशन कार्ड बन पाए हैं। ना ही उन्हें मैच के पास मिल रहे हैं। इसकी वजह से जिला संघों ने अब नाराजगी जाहिर कर बगावत का बिगुल बजा दिया है। ऐसे में अब देखना होगा राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी जिला संघों की नाराजगी को कब तक और कैसे दूर कर पाते हैं।

पैलेस ऑन व्हील्स

अगले साल तक कई फेरों में ज्यादातर सीटें हुई फुल

आरटीडीसी अध्यक्ष बने देसी-विदेशी हस्तियों के सहयात्री

जयपुर. कासं। आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने पैलेस ऑन व्हील्स में शामिल देशी-विदेशी हस्तियों का शनिवार को दिल्ली पहुंचकर स्वागत किया। आरटीडीसी अध्यक्ष ने राज्यों के शाही ट्रेन के मेहमानों में शामिल भारत सरकार एवं विभिन्न राज्यों के पर्यटन बोर्ड के प्रतिनिधियों,विदेशी ट्यूर ऑपरेटर्स एवं प्रतिनिधियों के साथ ही दिल्ली से जयपुर की यात्रा की और शाही ट्रेन की सुविधाओं पर फीडबैक भी लिया ।इस दौरान राठौड़ ने कहा कि देश का गौरव पैलेस ऑन व्हील्स वर्तमान में लाभ के साथ संचालित हो रही है। अब शाही ट्रेन के लिए अगले साल तक की काफी संख्या में एडवांस बुकिंग्स भी मिलने लगी है। निगम की ओर से प्रदेश में पर्यटकों को सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से पैलेस ऑन व्हील्स एवं अन्य पर्यटन सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। जयपुर में आयोजित होने वाले ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार में शामिल होने के लिए जी-20 शेरपा अमिताभ कांत, पर्यटन सचिव भारत सरकार अरविन्द सिंह के साथ ही विभिन्न राज्यों के पर्यटन बोर्ड के प्रतिनिधियों, 70 विदेशी टूर ऑपरेटर आदि पैलेस ऑन व्हील्स की यात्रा कर रहे हैं। इंडियन ट्रेवल बाजार के अन्तर्गत 56 देशी विदेशी टूर ऑपरेटर्स और ट्रेवल एजेन्ट भाग लेंगे। विभिन्न राज्यों के पर्यटन बोर्ड, विभिन्न होटल्स, रिसोर्ट, निवेशक, इंटरनेशनल एयरलाइंस आदि अपने उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे।

जैन सोशल ग्रुप स्वास्तिक का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप स्वास्तिक के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि संभागीय वन संरक्षक आर के जैन, अति विशिष्ट अतिथि मेवाड़ रीजन के चेयरमैन अनिल नाहर, विशिष्ट अतिथि महेश पोरवाल, अरुण मांडोत, पारस ढेलावत थे। कार्यक्रम की शुरूआत मातृ शक्तियों मीनाक्षी जैन, भावना कावड़िया, चंचल छाजेड़, अनिता धाकड़, शीला लोढ़ा, दीपिका लोढ़ा, स्नेहलता गांग, सीमा कावड़िया, कविता सुराणा, विजया सुराणा आदि ने सभी को तिलक लगाकर, स्वास्तिक की मौली बांधने के बाद मंगलाचरण द्वारा किया। मेवाड़ रीजन के चेयरमैन अनिल नाहर ने अध्यक्ष सुनिल गांग, उपाध्यक्ष विमल चंद कटारिया, सचिव गौरव सुराणा, सह सचिव भावना कावड़िया, कोषाध्यक्ष शशि पाल जैन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाकर ग्रुप द्वारा शहर के हित में वृहद वृक्षारोपण कराने की जिम्मेदारी लेने की प्रशंसा की। उन्होंने मेवाड़ रीजन द्वारा टॉवरनुमा 21 पक्षी शाला के निर्माण, कैंसर हॉस्पिटल की आधारशिला रखने की बात दोहराई।

विश्व पृथ्वी दिवस के संदर्भ में संभागीय वन संरक्षक आर के जैन ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन काल में पेड़ पौधों का ऑक्सीजन, खाद्य सामग्री, लकड़ी, जल संरक्षण, खाद आदि के लिए प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप में 37 लाख रुपए का उपयोग करता है। इसलिए व्यक्ति को अपने जीवन काल में कम से कम 8 वृक्ष आवश्यक रूप से लगाने चाहिए। कोरोना काल में ऑक्सीजन की कीमत क्या थी, यह सभी को पता है।

अध्यक्ष सुनिल गांग ने आर के जैन की मांग का समर्थन करते हुए उदयपुर में मेवाड़ रीजन के सभी सोशल ग्रुप के समस्त सदस्यों तक पौधारोपण एवं उसके संरक्षण की जन चेतना जागृत करने और इसे क्रियान्वित करने का ध्येय रख कर वादा किया। कार्यक्रम में सेना से आए विशेष अधिकारी ने उपस्थित जनता से सेना में भर्ती होने एवं आम जनता के लिए उपलब्ध संसाधनों को आवश्यक एवं सीमित मात्रा में उपयोग लेने का आह्वान किया। उन्होंने ग्रुप द्वारा वर्ष पर्यंत चलाए जा रहे लोकल फॉर वोकल कार्यक्रम को देश हित में बेहतर बताया और अपने हिसाब से इसके उद्देश्यों पर विस्तार से और अधिक समझाया और देश का पैसा देश के काम आने से इसे दुश्मन देशों की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका बताया। मेवाड़ रीजन के इलेक्ट चेयरमैन अरुण मांडोत ने स्वास्तिक ग्रुप की कार्यकारिणी को शपथ दिलाकर स्वास्तिक चिन्ह के आदि अनादि काल से विभिन्न शुभ कार्यों में महत्व पर विस्तार से बताया।

वाइस चेयरमैन पारस ढेलावत ने ग्रुप के नए सदस्यों को शपथ दिलाकर स्वास्तिक ग्रुप द्वारा किए जा रहे जन सेवार्थ कार्यों की निरंतरता बनाए रखने का आह्वान किया।

मेवाड़ रीजन के सचिव महेश पोरवाल ने जैन संस्कृति को जीवित रखने हेतु संस्थापक अध्यक्ष धीरज छाजेड़ द्वारा आयोजित किए जा रहे सतत कार्यक्रम 'एक कदम जिनालय की ओर' को वृहत स्तर पर करने पर बल दिया। जोन कॉर्डिनेटर, संस्थापक अध्यक्ष एवं शिक्षाविद् धीरज छाजेड़ ने ग्रुप द्वारा अभी तक किए गए विभिन्न कार्यक्रमों को प्रजेंटेशन के माध्यम से बताया और आगे भी कार्यक्रमों में संस्कृति एवम् जनहित के कार्यों को निरंतर करने का विश्वास दिलाया। छाजेड़ ने कहा कि मीडिया प्रभारी संजय धाकड़ द्वारा जेएसजी स्वस्तिक के चार साल के कार्यकाल की विभिन्न गतिविधियों एवं भविष्य की योजनाओं को प्रेजेंटेशन के द्वारा अभिनव, अद्वितीय प्रयोग कर कम से कम स्लाइड में समेट कर गागर में सागर भरने जैसे एक चुनौतीपूर्ण कार्य को बखूबी अमलीजामा पहनाया है। इससे हम उपस्थित गणमान्य अतिथियों और जनमानस के बीच में जेएसजी स्वास्तिक की एक अमिट छवि बनाने में कामयाब हुए है। पीआरओ ग्रीटिंग नवीन सुराणा ने बताया कि स्वास्तिक ग्रुप के तीसरे शपथ ग्रहण समारोह में जितेंद्र हरकावत, पंकज मांडावत, गजेंद्र जोधावत, हरक लाल दुग्गड, प्रीतेश जैन, कौशल्या जैन, अंकुर लोढ़ा, पंकज लोढ़ा, पारस खुर्दिया, राजेंद्र हिंगड, राजेश सिसोदिया, रमेश मारू, शीला लोढ़ा, ख्यालीलाल सिसोदिया, हिमांशु मेहता आदि उपस्थित थे। ग्रुप के नवीन सचिव गौरव सुराणा ने कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न ग्रुप के अध्यक्ष, सचिव, मेवाड़ रीजन के पदाधिकारियों का स्वागत किया एवं सभी को स्वास्तिक का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

पर्यावरण और जीव जंतु संरक्षण की शपथ लेकर मनाया विश्व पृथ्वी दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व पृथ्वी दिवस पर डॉ. विशाल गौतम कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, एस. एस. जैन सुबोध महाविद्यालय ने अपने स्वयंसेवकों जय गौतम, प्रत्युष जैन और कॉलोनीवासियों मथुरा देवी,निमिषा पटेल, लेखराज अग्रवाल,दिव्यांशु वशिष्ठ, भाविका जैन, हार्दिक जैन आदि के साथ गर्मियों में पक्षियो को भीषण गर्मी से बचाने के लिए उन्हें पानी पिलाने के लिए 15 परिंडे लगाए गए, और पर्यावरण संरक्षण के लिए 10 पौधे लगाए इसी के साथ पर्यावरण के लिए शपथ ली। भीषण गर्मी के दौर में पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था करना सेवा काम है, इसी को ध्यान में रखते हुए यह पुनीत कार्य किया गया।

अक्षय तृतीया पर इक्षु रस पिलाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन समाज बापूनगर सम्भाग के अध्यक्ष महेन्द्र कुमार जैन पाटनी व मंत्री डा. राजेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि वर्तमान चौबीसी के प्रथम तीर्थकर भगवान आदिनाथ के पारणा महोत्सव के उपलक्ष में पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय, बापूनगर में आने वाले सभी महिलाओं और पुरूषो को इक्षु रस पिलाया गया। आज अक्षय तृतीया के दिन भगवान आदिनाथ को हस्तिनापुर में राजा श्रेयांस द्वारा इक्षु रस का आहार देकर पारणा कराया था।

वेद ज्ञान

आत्मा ही शाश्वत है...

परमात्मा सभी सत्ताओं में व्यक्त और अव्यक्त रूप में विद्यमान है। इसी स्वाभाविकता के कारण वह सभी सत्ताओं में अपरिवर्तनीय रूप में विराजमान है। इस परम एकता की अवस्था में जब हम उन्हें देखने जाते हैं तो सारे वस्तु भेद मिट जाते हैं। वास्तविकता में आध्यात्मिक साधकों के लिए वह प्रथम और अंतिम शब्द है। पदार्थ विज्ञान विश्लेषणात्मक है। इसलिए पदार्थ पर शोध और अनुसंधान बाहर से होता है, किंतु जो अखंड है, उस क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए और आध्यात्मिक अर्थ ग्रहण करने के लिए अंतरविश्लेषण करना ही होगा, दूसरा कोई उपाय नहीं। यह ईश्वरीय सत्ता स्थायी रूप से सभी वस्तुओं में स्थित है और इसलिए उन्हें देखने के लिए स्वयं को सूक्ष्मतम में प्रतिष्ठित करना पड़ेगा, गहरे से गहरे में जाना पड़ेगा। जो सद्गुरु हैं, परम सत्य के ज्ञाता हैं, जिनसे हम ब्रह्म ज्ञान सीखेंगे, वे हमें समझा देंगे कि आत्मा मन के कई स्तरों से अत्यंत सूक्ष्म हैं। मन के ये स्तर परिवर्तनशील और क्षणजीवी हैं। आत्मा ही शाश्वत है। इसलिए आध्यात्मिक ज्ञान से जिस आनंद को हम प्राप्त करेंगे, वह शाश्वत आनंद होगा। इसलिए उसे 'ब्रह्मानंद' कहा जाता है। अस्थायी वस्तुओं से आनंद नहीं प्राप्त किया जा सकता है। अस्थायी और कालबद्ध वस्तुएं आएंगी और चली जाएंगी, कभी वे हमें हंसाएंगी और कभी रुलाएंगी। वे कालबद्ध वस्तुएं कितनी भी प्रिय क्यों न हों, एक दिन वे निश्चित और असंदिग्ध रूप से हमें छोड़कर एक झटके के साथ हमें निकम्मा और भिखारी बनाकर चली जाएंगी। वहीं परमात्मा हमें विलाप करने नहीं देंगे। वे शाश्वत हैं, चिरंतन हैं, अपरिवर्तनीय सत्ता हैं। यम कहते हैं, हे नचिकेता, परमपुरुष के साम्राज्य का महाद्वार आपके सामने खुला हुआ है। जिसने संपूर्ण रूप से मानस तत्वों का ज्ञान प्राप्त कर लिया है उसने विनाशशील और अविनाशी का भी ज्ञान प्राप्त कर लिया है। मानसिक विकास के साथ-साथ जब कोई खंड सुख से अखंड सुख की ओर बढ़ता है तब उसे भौतिक सुख की अपेक्षा मानसिक सुख में ज्यादा रुचि हो जाती है। देश-प्रेम अथवा इसी तरह के सूक्ष्म सुख के लिए मनुष्य अपने जीवन का उत्सर्ग करने के लिए तत्पर रहते हैं।

संपादकीय

'टाइप 2 मधुमेह' के बढ़ते मामले

कोई भी व्यक्ति जानते-बूझते हुए ऐसी जीवन-शैली नहीं अपनाएगा, अपने खानपान में ऐसी लापरवाही नहीं बरतेगा, जिससे उसके भीतर कोई गंभीर रोग पलने लगे। लेकिन बीते कुछ दशकों में खासतौर पर शहरों-महानगरों में जिस तरह की जीवन-शैली ने अपनी जड़ें जमाई हैं, उसने लोगों को अपनी ओर आकर्षित तो किया है, लेकिन साथ ही बिना किसी हलचल के ऐसा असर किया, जो अब वैश्विक स्तर पर चिंता की वजह बन रहा है। दरअसल, बाजार की चमक-दमक और दिखावे के बीच पलते और प्रभावित होते लोगों के खानपान में परंपरागत और प्राकृतिक वस्तुएं छूटती गईं और ऐसी चीजें शामिल होती गईं, जो कई तरह के जटिल रोगों की जड़ बनीं। इनमें मधुमेह पहले ही एक बड़ी समस्या के रूप में आम जनजीवन में पसर रहा था, अब इसी रोग की कड़ी में टाइप 2 मधुमेह के बढ़ते मामले कई देशों में एक बड़ी चुनौती बन रहे हैं।

जाहिर है, इसका मुख्य कारण भी खाने-पीने की चीजों में बरती जाने वाली लापरवाही है। जिन खाद्य वस्तुओं को लोग अपनी रोजमर्रा की जरूरत मानते हैं, कई बार वही उनके शरीर में मीठा जहर बन कर पलने लगता है। दरअसल, एक शोध पत्रिका में प्रकाशित एक विश्लेषण में यह बताया गया है कि दुनिया भर में 2018 में टाइप 2 मधुमेह के एक करोड़ इकतालीस लाख से ज्यादा मामलों के पीछे खराब आहार एक प्रमुख कारण था। गौरतलब है कि दिनचर्या और खाद्य पदार्थों के मामले में लोग जिन चीजों को सहज मानते रहे हैं, उन्हीं का योगदान मधुमेह के पांव फैलाने में ज्यादा रहा है। मसलन, बहुत कम लोग हैं जो साबुत अनाज का सेवन करते हैं। इसके बरक्स परिष्कृत चावल, गेहूं की अधिकता और प्रसंस्कृत मांस का सेवन जरूरत से ज्यादा करना आम बात रही है। अध्ययन में इसी बिंदु पर चिंता जाहिर करते हुए बताया गया है कि खराब कार्बोहाइड्रेट गुणवत्ता वाला आहार टाइप 2 मधुमेह का विश्व स्तर पर एक प्रमुख कारक है। इस अध्ययन में शामिल एक सौ चौरासी देशों में सभी ने 1990 और 2018 की लंबी अवधि में इस कोटि के मधुमेह के मामलों में बढ़ोतरी देखी। हालांकि भारत से संदर्भ में राहत की बात यह है कि फिलहाल यहां टाइप 2 मधुमेह के सबसे कम मामले थे, मगर आम मधुमेह के मरीजों के मामले में यहां स्थिति काफी चिंताजनक रही है। यह जगजाहिर रहा है कि अकेले मधुमेह के चलते शरीर के कई हिस्से प्रभावित होते हैं और कई बार ये मौत की वजह भी बनते हैं। 2019 में दुनिया भर में करीब बीस लाख लोगों की मौत का कारण मधुमेह और खराब गुर्दे थे। अब वैश्विक स्तर पर टाइप 2 मधुमेह के बढ़ते मामले भी आम लोगों, परिवारों और देशों के भीतर स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर बोझ को दर्शाते हैं।

परिदृश्य

बड़े सवाल?

अपराध और दंड के संदर्भ में एक मशहूर उक्ति का उल्लेख अक्सर किया जाता रहा है- ''न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि वह होते हुए दिखना भी चाहिए।'' विडंबना यह है कि कई बार किसी अपराध के साबित हो जाने के बाद सजायाफ्ता दोषियों के बारे में भी सरकारों का रुख ऐसा होता है, जो समूची न्याय की अवधारणा को ही कठघरे में खड़ा कर देता है। जाहिर है, न्याय में भरोसा करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यह एक असहज करने वाली स्थिति होती है। शायद यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो के मामले की सुनवाई करते हुए मंगलवार को गुजरात सरकार को फटकार लगाते हुए यह कहा कि जब समाज को बड़े पैमाने पर प्रभावित करने वाले जघन्य अपराधों की सजा में छूट पर विचार किया जाता है तो सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए शक्ति का प्रयोग किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि बिलकिस बानो ने गुजरात सरकार पर अपने मामले के दोषियों को समय से पहले रिहा करने का आरोप लगाया है। इस मामले पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने जो सख्त टिप्पणियां की हैं, वह न्याय के संदर्भ में सरकारी रवैये को आईना दिखाने जैसा है। दरअसल, इस मामले में न सिर्फ एक गर्भवती महिला से सामूहिक बलात्कार किया गया, बल्कि उसके सात रिश्तेदारों की हत्या कर दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि हमने गुजरात सरकार को इस संबंध में सभी साक्ष्य पेश करने के लिए कहा था। हम जानना चाहते हैं कि क्या गुजरात सरकार ने अपना विवेक लगाया है; अगर हां, तो बताएं कि आपने किस सामग्री को दोषियों की रिहाई का आधार बनाया है। हैरानी की बात यह है कि अदालत में गुजरात सरकार ने उम्रकैद के सजायाफ्ता दोषियों की रिहाई से जुड़े दस्तावेज दिखाने के आदेश का विरोध किया। जबकि अगर सरकार इस मसले पर खुद को सही मानती है तो उसे कम से कम अदालत के कहने पर पूरी पारदर्शिता जरूर बरतनी चाहिए। स्वाभाविक ही गुजरात सरकार के इस रुख पर अदालत ने एक तरह से चेतावनी देते हुए कहा कि रिकार्ड पेश नहीं किए गए तो इस मामले में कोर्ट की अवमानना के आरोप में कार्यवाही चल सकती है और अगर कारण नहीं बताए जाते हैं तो हम अपना निष्कर्ष निकाल लेंगे। सवाल है कि इतने संवेदनशील मामले में सभी दोषियों की रिहाई का फैसला करने से पहले सरकार को क्या अपने विवेक का प्रयोग करना जरूरी नहीं लगना चाहिए था। गौरतलब है कि बिलकिस बानो के मामले में बलात्कार और हत्या की जैसी प्रकृति थी, उसकी गंभीरता के मद्देनजर सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। लेकिन इस मामले के सभी ग्यारह दोषियों को पिछले साल पंद्रह अगस्त को रिहा कर दिया गया था। रिहाई के बाद सार्वजनिक रूप से इन सबका स्वागत करने की जैसी खबरें आई थीं, उसे लेकर बहुत सारे लोगों के बीच उचित ही दुख और आक्रोश फैला था। सवाल है कि ऐसा करके इस जघन्य अपराध की पीड़ित और उनके परिजनों के साथ-साथ न्याय में भरोसा रखने वाले सभी लोगों को किस तरह का संदेश दिया गया था? एक प्रश्न यह भी है कि ऐसी रिहाई का व्यापक सामाजिक प्रभाव क्या पड़ेगा? इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की चिंता को समझा जा सकता है कि आज यह बिलकिस के साथ हुई घटना का सवाल है, कल ऐसा किसी के साथ भी हो सकता है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि सामूहिक बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराध के दोषियों के प्रति कोई सरकार नरम रवैया अख्तियार करती है, मगर इससे न्याय की धारणा को चोट पहुंचती है।

46वें राष्ट्रीय जनसम्पर्क दिवस पर रिषा जैन को उदीयमान जनसंपर्क प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इण्डिया जयपुर चैप्टर द्वारा आयोजित 46वें राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस प्रेस क्लब, जयपुर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. मनोहर प्रभाकर - संस्थापक अध्यक्ष पब्लिक रिलेशन्स ऑफ इण्डिया के लिखे राष्ट्रीय गीत से की गई । समारोह में एस. एस. जैन सुबोध पी. जी. (ऑटोनोमस) कॉलेज जयपुर की मास कम्यूनिकेशन के फाइनल ईयर की छात्रा रिषा जैन को उदीयमान जनसंपर्क प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। रिषा जैन को पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक व रविशंकर शर्मा व समारोह अध्यक्ष आई.आई.एस. श्री आई.सी. श्रीवास्तव नरुका ने संयुक्त रुप से स्मृति चिन्ह प्रदान किया, प्रशस्ति पत्र समारोह के मुख्या वक्ता अर्थशास्त्री एवं नफा नुकसान समाचार पत्र के संस्थापक श्री जयसिंह कोठारी ने प्रदान किया तथा पत्र- सूचना कार्यालय एवं केन्द्रीय संचार ब्यूरो भारत सरकार की अपर महानिदेशक आई. आई.एस. श्रीमती ऋतु शुक्ला ने रिषा जैन को दुपट्टा ओढा कर सम्मानित किया। इस अवसर पर एस.एस. जैन सुबोल कॉलेज के मास कम्यूनिकेशन कि हैड ऑफ डिपार्टमेंट डॉ. पदमा पंडेल को भी सम्मानित किया गया । समारोह के मुख्य वक्ता जयसिंह कोठारी सहित समारोह के मुख्य अतिथि, समारोह अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि, गोविन्द पारीक एवं पिंकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष - श्री राधारमण शर्मा ने जी-20 और भारतीय मूल्यः जनसर्म्स के परिपेक्ष्य में अपने विचार रखे।

इक्षु रस का हुआ पारणा आखा तीज महान... जय-जय आदिनाथ भगवान...

अक्षय तृतीया पर्व महान... भगवान आदिनाथ के जयकारों से गूंजे जिनालय-जैन धर्मावलंबियों ने भक्ति भाव से मनाया अक्षय तृतीया पर्व-जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के प्रथम पारणा दिवस पर हुए धार्मिक व सामाजिक आयोजन -इक्षु रस से किए भगवान आदिनाथ के पंचामृत अभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का प्रथम पारणा दिवस अक्षय तृतीया पर्व शनिवार, 22 अप्रैल को जैन धर्मावलंबियों द्वारा भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर शहर के जैन मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन किए गए । कई स्थानों पर सामाजिक आयोजन किए गए। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि अक्षया तृतीया के दिन जैन बन्धुओं द्वारा दान देने की परम्परा है। इस दिन इक्षु रस से राजा श्रेयांस द्वारा जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का मुनि रुप में प्रथम आहार करवाया गया था। मंदिरों में प्रातः भगवान आदिनाथ के अभिषेक, शांतिधारा के बाद अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात आमजन को इक्षु रस पिलाया गया। रात्रि में महाआरती के बाद भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान दीप महाअर्चना का आयोजन किया गया। कई मंदिरों में भगवान आदिनाथ के इक्षु रस सहित पंचामृत अभिषेक एवं भगवान आदिनाथ की पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए। इस मौके पर जैन बन्धुओं द्वारा मुनियों, आचार्य,आर्यिका माताजी को आहार चर्या करवाई गई। आहार दान दिया गया। मंदिरों में गेहूं एवं गुड़ पाट पर चढाया गया। पुलक जन चेतना मंच, श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति, सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था, जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो, संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो द्वारा सेवा कार्य किए गए। दुर्गापुरा के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर एवं झोटवाड़ा के पटेल नगर स्थित श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन में प्रातः भगवान आदिनाथ के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात आमजन को इक्षु रस पिलाया गया। रात्रि में महाआरती के बाद भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान दीप महाअर्चना का आयोजन किया गया। इसके साथ ही सूरजपोल गेट स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मोहनबाडी में पं.प्रद्युम्न शास्त्री के निर्देशन में आदिनाथ पूजा विधान किया गया। बापूनगर चैत्यालय, टोडरमल स्मारक,जय जवान कोलोनी,राधा विहार, डीसीएम अजमेर रोड,जनता कालोनी, पार्श्वनाथ मंदिर झोटवाड़ा, लालकोठी, महारानी फार्म, एस एफ एस, त्रिवेणी नगर सहित कई मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन किए।

Printed by : VARDHMAN PRINTERS # 9314263204

जैन बैंकर्स फोरम का दशम महा अधिवेशन गाजियाबाद में, जयपुर से बस रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य ज्ञान सागर जी मुनिराज के सानिध्य में गठित अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम का दसवां महा अधिवेशन गाजियाबाद में 23/04/23 को होने जा रहा है । जैन बैंकर्स फोरम बैंकिंग संबंधी समस्याओं के समाधान एवं सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों में क्रियाशील संस्था है। इसमें प्राइवेट-राष्ट्रीयकृत, दिगंबर-श्वेतांबर, सेवानिवृत-क्रियाशील बैंकर्स की सेवा भावी संस्था है। अधिवेशन में 32 यूनिट के प्रतिनिधि एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारियों सहित सभी पदाधिकारीगण भाग लेंगे। सर्वोत्तम यूनिट को और सबसे अधिक सदस्य बढ़ाने वाली यूनिट्स को पुरस्कृत किया जायेगा। समाज हित में भावी योजनाओं के बारे में जानकारी शेयर की जायेगी। इस कार्यक्रम के संयोजक मुकेश पांड्या एवं सुकेश काला है ।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वात्सल्य अक्षय तृतीया पर्व मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रथम तीर्थंकर श्रीमज्जिनेंद्रदेव 1008 श्रीआदिनाथ भगवान को राजा श्रेयांस ने पूर्व जन्म स्मरण से आहार विधि ज्ञात कर अक्षय तृतीया को प्रथम आहार के रूप में इक्षुरस प्रदान किया था । इसी आहार दान के पावन स्मरण स्वरूप अक्षय तृतीया को पुलक मंच परिवार एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वात्सल्य महारानी फार्म गायत्री नगर जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 22 अप्रैल 2023 को प्रातः 7:30. बजे श्री दिगंबर जैन मंदिर, महारानी फार्म, गायत्री नगर पर इक्षुरस पान कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित बसंत बीना बाकलीवाल, विजय,रेखा सोगानी द्वारा किया गया। पुलक मंच की महामंत्री रेखा झांझरी के अनुसार इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में इक्षुरस का पान कराया गया। अनीता बड़जात्या ने बताया कि कार्यक्रम में पुलक मंच परिवार के संरक्षक राजेन्द्र - सुमन सोगानी, अनिल टोंग्या, संरक्षिका राज लुहाडिया, अध्यक्षा मंजू सेवावाली, कार्यध्यक्ष अनिल झांझरी, कार्यध्यक्षा ज्योति जैन, महामंत्री, महावीर सोनी, कोषाध्यक्ष सुरेश जैन, निर्मल - ऊषा सेठी , धार्मिक मंत्री अनीता बडजात्या, सांस्कृतिक मंत्री गुड्डी पाटनी ,कार्यक्रम संयोजक रमेश -सरोज काला, शैलेश - रेखा पापडीवाल उपस्थित रहे ।

ठाकुरजी का पहनावा बदला

जयपुर. कासं। अक्षय तृतीया पर्व शनिवार को पूरे प्रदेश में श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। मंदिरों में भगवान को शीतल व्यंजनों का भोग अर्पित कर चंदन का लेप लगाया। वैशाख शुक्ल तृतीया तिथि सुबह 7.50 बजे आई थी, जो रविवार सुबह 7.48 बजे तक रहेगी। बंशीधर ज्योतिष पंचांग के दामोदर शर्मा ने बताया कि रविवार को सूर्योदय सुबह 6 बजे होगा। जबकि तृतीया 7.48 बजे तक रहेगी। इसके बाद चतुर्थी तिथि होगी। शास्त्रों में 2.24 घंटे से कम समय में तृतीया होने के कारण शनिवार को ही अबूझ मुहूर्त माना गया है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com